ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 09 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 70

राजा रघुवंशी हत्याकांडः साजिश का पर्दाफाश! सोनम के पिता की दुकान में काम करता था मुख्य आरोपी राज, लोकेशन ट्रैकिंग से पकड़ी गई सोनम

24 न्यूज़ अपडेट, नेशनल डेस्क। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी और चार अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेघालय पुलिस इस मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राजा रघुवंशी पर धारदार हथियार से हमला करने और सिर पर दो गंभीर चोटें आने की पुष्टि हुई है, जिससे यह एक सुनियोजित हत्या प्रतीत हो रही है।

राजा और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को हुई थी और वे 23 मई को शिलॉन्ग से लापता हो गए थे। 2 जून को राजा का शव एक खाई में मिला, जिसके बाद से सोनम की तलाश जारी थी। रविवार देर रात सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे पर बदहवास हालत में मिली, जहां ढाबा संचालक की सूचना पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया।

प्रमुख गिरफ्तारियां और जांच का खुलासा

मेघालय पुलिस की एसआईटी ने रात भर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर चार अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें मध्य प्रदेश के बीना से आनंद कुर्मी, इंदौर से राज कुशवाहा, विशाल चौहान और आकाश राजपूत, तथा उत्तर प्रदेश के ललितपुर से आकाश लोधी शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि इन सभी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। मेघालय के पर्यटन मंत्री पॉल लिंगदोह ने इस मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि एसआईटी की जांच में सामने आया है कि सोनम रघुवंशी ने तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर्स के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार भी बरामद कर लिया गया है, जिसे पुलिस ने "पेड़ काटने का बिल्कुल नया हथियार" बताया है, जिससे यह दर्शाता है कि इसे हत्या के उद्देश्य से ही खरीदा गया था।

सोनम की तलाश और गाजीपुर में गिरफ्तारीः

लापता सोनम की तलाश में जुटी पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब वह शिलॉन्ग से लगभग 1100 किलोमीटर दूर गाजीपुर के नंदगंज स्थित काशी ढाबे पर मिली। ढाबा संचालक साहिल यादव ने बताया कि सोनम रोते हुए उनके पास आई और मोबाइल मांगकर अपने परिवार से बात करने के लिए कहा। बाद में सोनम के भाई ने ही पुलिस को सूचित करने के लिए कहा। गाजीपुर में सोनम को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया, जहां से मेघालय पुलिस की टीम उसे अपनी हिरासत में लेकर शिलॉन्ग के लिए रवाना हो गई है।

पुलिस के दावे और सीसीटीवी फुटेज

मेघालय पुलिस ने दावा किया है कि सोनम ने गाजीपुर के नंदगंज पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण किया। वहीं, पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सायम ने कहा कि सोनम इतने दिनों तक सामने नहीं आई थी, लेकिन जैसे ही अन्य आरोपी पकड़े गए, वह अचानक सामने आ गई, जो अपने आप में काफी कुछ कहता है। पुलिस का यह भी दावा है कि एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें सोनम मोबाइल पर बात करती हुई और लगातार राज को लोकेशन भेजती हुई नजर आ रही है। इससे साजिश के संकेत मिल रहे हैं।

परिवार का बयान और आगे की कार्रवाई

सोनम के परिवार का कहना है कि उनकी बेटी बेगुनाह है, जबकि राजा रघुवंशी के परिजन सोनम के इस हत्याकांड में शामिल होने पर उसे मौत की सजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, पहले परिवार ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए पोस्टर भी लगाए थे, जिन्हें बाद में हटा दिया गया। मेघालय के उप मुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पुलिस के समन्वय की सराहना की है, जिससे इस मामले को सुलझाने में मदद मिली। अब सभी गिरफ्तार आरोपियों को शिलॉन्ग लाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इंदौर में सोनम के घर के बाहर एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। यह मामला अभी और नए खुलासे होने की संभावना है।

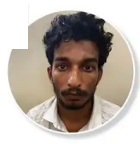
राज कुशवाहा

विशाल चौहान

आकाश राजपूत

आनंद कुर्मी

मुख्य घटनाक्रम

20 मई — इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा राघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम हनीमून पर थे।
22 मई — दंपती सहारा की यात्रा के लिए निकले। शिलांग में सागर सेन सामल के साथ बाइक किनारे पर रुके। शाम को मासीत गांव में गुमा। गाइड की मदद से पुल की ओर बढ़े।
23 मई — गांव के मुखिया को सूचना मिली कि गोलान पाइमा के पास एक लावारिस बाइक खड़ी है।
24 मई — दंपती का परिवार से संपर्क टूट गया। भरिजन ने गुगल पर एक्टिवा रेट की जानकारी खोजी।
27 मई — मंत्री कैलाश मिनी में गृह मंत्री अमित शाह को जानकारी दी। शाम को पुलिस ने बैन पहाड़ी इलाके में सर्चिंग की, जहां कुछ संदिग्ध वस्तुएं और खाई मिलीं।
28 मई — सांसद शंकर लालवानी ने शिलांग में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।
29 मई — तेज बारिश के कारण सर्चिंग रोकनी पड़ी।
30 मई — सर्चिंग फिर शुरू हुई।
1 जून — परिधा ने ज्योतिषी को बुलाकर कुंडली दिखाई।
2 जून — राजा का शव गहरी खाई में मिला।
3 जून — पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राजा की हत्या की पुष्टि हुई, हत्या धारदार हथियार से हुई।
4 जून — राजा का शव इंदौर लाया गया।
5 जून — शिलांग के होटल रिसेप्शन में दंपती का सीसीटीवी फुटेज सामने आया।
7 जून — राजा-सोनम का होटल के बाहर का सीसीटीवी फुटेज भी आया।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले की जांच के लिए CBI जांच की सिफारिश की।

राजा ने कहा था- सोनम मुझमें इंटरेस्ट नहीं ले रहीः मां ने बताया- शिलॉन्ग का टिकट सोनम ने कराया था पर वापसी का नहीं

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के शिलॉन्ग में मर्डर के बाद सोमवार, 9 जून को पत्नी सोनम यूपी के गाजीपुर में मिली। मेघालय पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति राजा की हत्या कराई। हालांकि वारदात की वजह अभी सामने नहीं आई है। सोनम से संबंधों को लेकर दैनिक भास्कर ने राजा की मां और पिता से बातचीत की। राजा की मां ने बताया कि रिश्ता तय होने के बाद एक बार राजा ने कहा था कि वो (सोनम) मुझमें इंटरेस्ट नहीं ले रही है। सोनम और राजा रघुवंशी का रिश्ता 1 अक्टूबर 2024 को समाज की परिचय पुस्तिका के जरिए हुआ था।सोनम के पिता देवी सिंह ने बताया कि रामनवमी के दिन समाज का भंडारा होता है। उसी दिन शादी योग्य लड़के-लड़कियों के नाम लिए जाते हैं, ताकि उन्हें समाज की परिचय पुस्तिका में प्रकाशित किया जा सके। हमने भी उसी दिन अपनी बेटी का नाम लिखवाया था और राजा के परिवार ने भी। उस समय हमारा आपस में कोई परिचय नहीं था। जब पुस्तिका प्रकाशित होकर आई, तब हमने सभी लड़कों की जानकारी देखी। हमें राजा का परिवार पसंद आया, क्योंकि वे भी इंदौर के ही रहने वाले थे, इसलिए हमने अपने स्तर पर उनके बारे में जानकारी ली।

सोनम के पिता की दुकान में काम करता था मुख्य आरोपी राज

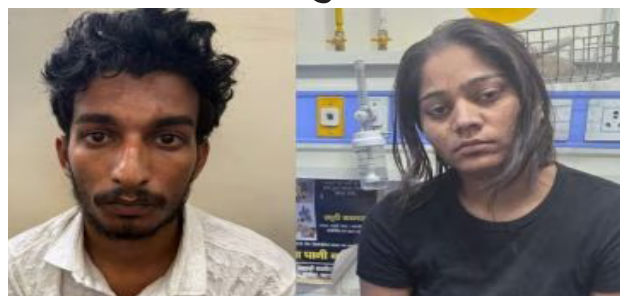

24 न्यूज़ अपडेट, नेशनल डेस्क। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने एक और बड़ा खुलासा किया है। गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्धों में से मुख्य आरोपी राज कुशवाहा, राजा की पत्नी सोनम के पिता की प्लाईवुड दुकान में बिलिंग का काम करता था। यह खुलासा इस हत्याकांड में गहरी साजिश की ओर इशारा कर रहा है, जिसमें सोनम रघुवंशी पर भी पति की हत्या का आरोप है, हालांकि सोनम ने खुद को अगवा होने का दावा किया है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि राज कुशवाहा के अलावा विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को हिरासत में लिया गया है। ये चारों आरोपी इंदौर के नंदबाग इलाके में ही रह रहे थे। वहीं, एक अन्य आरोपी आकाश लोधी को उत्तर प्रदेश के ललितपुर से हिरासत में लिया गया है। इंदौर में हिरासत में लिए गए संदिग्धों से मेघालय पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम को गाजीपुर से बरामद कर लिया है और मेघालय पुलिस उससे पूछताछ करेगी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह हत्याकांड में शामिल थी या नहीं। राज कुशवाहा, जो सोनम के पिता के प्लाईवुड कारोबार में बिलिंग का काम करता था, लगभग डेढ़ साल पहले तक सोनम के घर के पास ही रहता था। सोनम के पिता देवी सिंह ने सोमवार को मीडिया को बताया कि राजा की हत्या के बाद राज दो दिन पहले उनके घर भी आया था और परिवार के सदस्यों से बातचीत की थी, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि वह सोनम के साथ था या नहीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिस दिन राजा और सोनम कामाख्या देवी के दर्शन के लिए निकले थे, वहीं से राज और उसके साथी उनका पीछा कर रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि सोनम लगातार राज को अपनी लोकेशन भेज रही थी।

सोनम की गिरफ्तारी और फरारी का रूट

हत्या के बाद सोनम फरार हो गई थी और लगभग एक हफ्ते तक रात के समय सफर करके पुलिस से बचने की कोशिश कर रही थी। वह वाराणसी से गोरखपुर होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थी, लेकिन पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और लोकेशन ट्रैकिंग की मदद से उसे सौहरा (शिलॉन्ग) से लगभग 1132 किलोमीटर दूर गाजीपुर से धर दबोचा। गाजीपुर के ढाबे पर वह बदहवास हालत में मिली थी।
उमा ने अपनी बहू को "मीठी बातें करने वाली" बताया और कहा कि अगर वह दोषी साबित होती है तो उसे मौत की सजा मिलनी चाहिए।

रणथम्भौर में बाघ ने चौकीदार को मार डालाः जांघ का हिस्सा खा गया, गर्दन पर दांतों के निशान मिले, पुलिस से ग्रामीणों की झड़प

रणथम्भौर फोर्ट में आज (सोमवार) सुबह बाघ ने चौकीदार को मार डाला। उनकी पहचान शेरपुर निवासी राधेश्याम सैनी (60) के रूप में हुई है। राधेश्याम पिछले 20 साल से रणथम्भौर फोर्ट स्थित जैन मंदिर में चौकीदार के रूप में सेवाएं दे रहे थे। सुबह करीब साढ़े चार बजे वह शौच के लिए गए थे, तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया।

राधेश्याम की गर्दन पर टाइगर के केनाइन (दांतों) के निशान मिले हैं। कमर के नीचे जांघ का हिस्सा टाइगर खा गया था। दो महीने में बाघ के हमले की यह तीसरी घटना है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने सवाई माधोपुर-कुंडेरा मार्ग को जाम कर दिया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण यह तीसरी मौत है। उधर, गणेश धाम तिराहे पर टेंट लगाकर ग्रामीण धरने पर बैठ गए हैं। इस दौरान पुलिस से ग्रामीणों की झड़प भी हुई।

मंदिर में रुके हुए थे 3 चौकीदार

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के सीसीएफ अनूप के आर ने बताया- बीते दिन रणथम्भौर दुर्ग में टाइगर का मूवमेंट था। इसके चलते त्रिनेत्र गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश रोका गया था। मंदिरों के कुछ चौकीदार फोर्ट में ही रुके हुए थे। इनमें 3 चौकीदार रणथम्भौर दुर्ग स्थित जैन मंदिर में रुके थे।

सोमवार सुबह करीब 4.30 बजे मंदिर से 30-40 मीटर दूरी पर चौकीदार राधेश्याम सैनी शौच करने गए थे। इतने में अन्य 2 चौकीदारों ने राधेश्याम के चिल्लाने की आवाज सुनी। वह मंदिर के बाहर पहुंचे तो खून के निशान दिखे। घना जंगल की वजह से शव दिखा ही नहीं। फौरन इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम ने चौकीदार को खोजने का प्रयास किया। तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद राधेश्याम के शव को रिकवर किया गया।

ठाणे में लोकल से 10 यात्री गिरे, 4 की मौतः2 ट्रेनें नजदीक से गुजरीं, गेट पर लटक रहे यात्री बैग टकराने से गिर गए

मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल है। ये सभी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। घटना सुबह 9:30 बजे मुंब्रा के आगे दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई।

ऑफिस टाइम होने के कारण ट्रेन में भीड़ ज्यादा थी, जिससे यह हादसा हुआ। रेलवे के मुताबिक संभवतः ये यात्री ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे। विपरीत दिशा में ट्रेनों के नजदीक से गुजरने के समय उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए।

पहले खबर आई थी कि हादसा लखनऊ जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ हुआ है। यह ट्रेन मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सुबह करीब 8.30 बजे रवाना हुई थी और घटनास्थल से हादसे के कुछ वक्त बाद गुजरी थी।

देश में कोरोना के 358 नए मरीज मिलेः6500 एक्टिव केस, अब तक 65 मौत, केंद्र ने कहा- राज्य पर्याप्त ऑक्सीजन-बेड का इंतजाम रखें

देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 6491 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 358 नए केस सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1957 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747 और दिल्ली में 728 एक्टिव मामले हैं।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 से अबतक 11 राज्यों में कोरोना से 65 मरीजों की मौत हुई हैं। इनमें से 58 मौतें बीते 10 दिन में हुई हैं। एक हफ्ते से हर दिन औसतन 5-6 की जान जा रही है। हालांकि, रविवार को एक भी मौत नहीं हुई है।

स्वास्थ्य विभाग के ऑफिशियल सोर्स के मुताबिक- कोरोना के बढ़ते केसों के बीच केंद्र सरकार तैयारियों की मॉक ड्रिल कर रहा है। सभी राज्यों को ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और जरूरी दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। ICMR के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे LF.7, XFG , JN.1 और NB.1.8.1 सीरीज के हैं।

बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है।

NB.1.8.1 के A435S, V445H, और T478I जैसे स्पाइक प्रोटीन म्यूटेशन अन्य वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलते हैं। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता।

भारत में कोविड का JN.1 वैरिएंट सबसे आम है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है। इसके बाद BA.2 (26 प्रतिशत) और ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) वैरिएंट के मामले भी मिलते हैं।

सेंसेक्स 256 अंक चढ़कर 82,445 पर बंदः निफ्टी में भी 100 अंक की बढ़त रही, फाइनेंस और बैंकिंग शेयर्स चढ़े

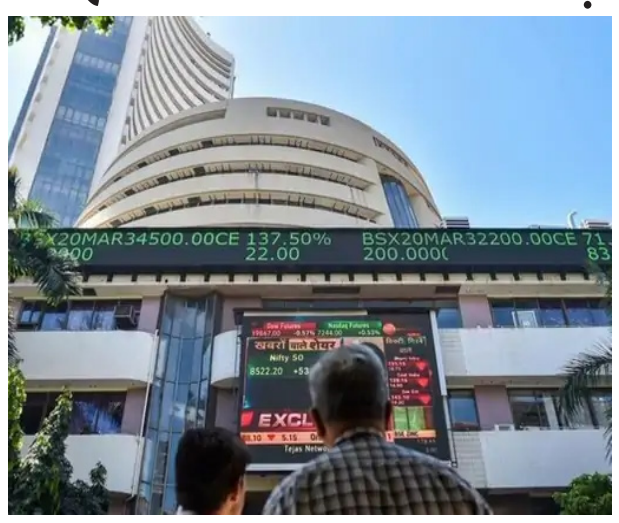

24 न्यूज़ अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 9 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 256 अंक की बढ़त के साथ 82,445 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक की तेजी रही, ये 25,103 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट रही। आज बैंकिंग, फाइनेंस, एनर्जी और IT शेयर्स में ज्यादा तेजी है। कोटक बैंक और जियो फाइनेंस के शेयर 3% से ज्यादा चढ़कर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.92% की तेजी के साथ 38,088 पर और कोरिया का कोस्पी 1.55% चढ़कर 2,855 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.63% बढ़त के साथ 24,181 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43% की तेजी के साथ 3,399 पर बंद हुआ।

6 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.05% बढ़कर 42,76 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 1.20% और S&P 1.03% चढ़कर बंद हुआ।

संपादकीय : तरक्की का पुल

सड़के और रेल पटरियां किसी भी देश की विकास रेखा मानी जाती हैं। यही आधारभूत ढांचे का सबसे मजबूत पक्ष होती हैं। इसलिए हर देश द्रुतगामी मार्गों और रेल पटरियों के विकास तथा विस्तार पर विशेष ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर की चिनाब नदी पर बने मेहराबदार पुल को इसी अर्थ में देखा जा सकता है। जम्मू-कश्मीर अभी त देश के रेल संजाल से कटा हुआ था। इस पुल के चालू हो जाने के बाद वह भी देश की मुख्यधारा रेल यातायात से जुड़ गया है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है, एफिल टावर से भी ऊंचा। इसे बनाना निस्संदेह बड़ी चुनौती थी । जिस इलाके में इसे बनाया गया है, वह भूकम्प की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। यहां हर समय भूकम्प का खतरा बना रहता है । फिर, ऊंचाई अधिक होने के कारण इस पर पड़ने वाले वायुदाब और मौसम के प्रकोप से बचाव के उपाय करना भी कठिन था। मगर काबिल अभियंताओं ने इन तमाम चुनौतियों को स्वीकार किया और एक मिसाल के रूप में इसे खड़ा कर दिया। इसे बनाने में लंबा समय लग गया। इस दौरान कई तरह की अड़चनों का भी सामना करना पड़ा। मगर अब इसके बन कर तैयार हो जाने से अनेक कठिनाइयां दूर हो जाने की उम्मीद जगी है। हालांकि कश्मीर और लद्दाख सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़े हैं। इन क्षेत्रों में नई सुरंगें बन जाने से सड़कों पर चाहनों की गति भी बढ़ गई है, मगर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के जरिए आवागमन उस तरह कभी आसान और सुविधाजनक नहीं रहता, जिस तरह रेल पटरियों से होता हैं। रेल मार्ग के जरिए न केवल मुसाफिरों की आवाजाही सुगम हो जाती है, बल्कि माल ढुलाई में बहुत आसानी होती है। रेल मार्गों का विकास औद्योगिक उन्नति के लिहाज से बहुत जरूरी माना जाता है। इस अर्थ में चिनाब पुल के खुल जाने से कश्मीर में औद्योगिक विकास और रोजी-रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं खुल गई हैं। वहां के हस्तशिल्प और कृषि उत्पाद अब आसानी से देश के बाजारों तक पहुंच सकेंगे जो कश्मीरी बुवा और बहुत सारे स्थानीय लोग आमतौर पर पर्यटन पर निर्भर थे और वर्ष के कुछ महीनों में ही कारोबार कर पाते थे, उन्हें अब पूरे साल कारोबार का अवसर मिल सकेगा। स्वाभाविक ही, इस तरह कहां बेरोजगारी कम होगी और जो युवा आतंकी संगठनों के बरगलाने से गुमराह हो जाया करते थे, उन्हें तरक्की का रास्ता नजर आएगा। चिनाब पुल शुरू हो जाने के बाद इस पर तेज रफ्तार गाड़ियों की आवाजाही बढ़ेगी, तो वहां सैलानियों का पहुंचना भी तेज होगा। पाकिस्तान की कोशिश रही है कि कश्मीर को किसी तरह भारत के दूसरे हिस्सों से अलग-थलग रखा जाए। इस तरह चिनाब पुल एक तरह से उसकी कोशिशों पर पानी फेरने में मददगार होगा। दूसरी बात कि यह पुल बन जाने से कश्मीर घाटी और लद्दाख तक सैन्य साजो-सामान और सैनिकों की पहुंच तेज हो जाएगी। अभी रोज ही लगभग पूरा दिन लगा कर सैन्य टुकड़ियां श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर पहुंचती हैं। प्रधानमंत्री ने पुल के साथ-साथ तेज रफ्तार वंदेभारत गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। यानी अब बहुत कम समय में श्रीनगर तक पहुंचना संभव हो गया है। इस तरह यह पुल न केवल इंजीनियरिंग का एक अद्भुत शाहकार, बल्कि तरक्की की नई राह खोलने का माध्यम भी बन गया है।

नाहक सजा

पिछले कुछ वर्षों से उत्तर प्रदेश में अपराध रोकने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरतने और अपराधियों पर नकेल कसने का दावा किया जा रहा है। इस क्रम में कई बार इतनी तेजी देखी गई कि मामले की ठीक से पड़ताल करने में पर्याप्त गंभीरता नहीं बरती गई। गौरतलब है कि बरेली में एक व्यक्ति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उसे तीन वर्ष तक जेल में बंद रहना पड़ा। मगर विचित्र है कि जेल में बंद रहे शख्स पर जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप था, वह जिंदा है। ट्रेन में विवाद के बाद हत्या के आरोप के बाद एक शव पाया गया था और मृतक के परिजनों की पहचान के आधार पर ही आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी। इस मामले का भी खुलासा नहीं होता, अगर जिंदा पाए गए व्यक्ति के परिजनों ने उसका वीडियो सोशल मीडिया पर जारी न किया होता। इसके बाद ही कथित हत्या के आरोप में बंद व्यक्ति की रिहाई हो सकी। किसी आपराधिक मामले की जांच को लेकर हर स्तर पर पुष्टि और सावधानी के साथ मामले का विश्लेषण न किया जाए तो उसके नतीजों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सवाल है कि घटना की छानबीन या पड़ताल के क्रम में क्या कोई ऐसा तरीका अपनाया गया या गवाहों के दावे की जांच में कोई कोताही बरती गई, जिसकी वजह से नाहक ही किसी को तीन वर्ष जेल में काटना पड़ा। ऐसा लगता है कि हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में जांच के क्रम में जिस अतिरिक्त सावधानी की जरूरत होती है, उसमें कहीं न कहीं लापरवाही बरती गई। इस घटना में एक प्रश्न अब भी अनुत्तरित है कि जो शव ट्रेन की पटरियों के पास पाया गया था, वह किसका था और उसकी मौत कैसे हुई थी। दरअसल, उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में कई बार जैसी हड़बड़ी देखी जा रही है, उसमें इस तरह की लापरवाही सामान्य लगती है । यह छिपा नहीं है कि एक ओर सरकार अपराध और अपराधियों को खत्म करने का दावा कर रही है, दूसरी ओर आपराधिक घटनाएं बेलगाम बढ़ती दिख रही हैं।

सेक्स रैकेट प्रकरण में नया मोड़: हर्षवर्धन शाह बोले- 'मैं रिसॉर्ट का मालिक नहीं, मेरा नाम गलत घसीटा गया', पुलिस प्रेस नोट में भी गुजरात के आरोपियों के नाम अंग्रेज़ी में, शेष के नाम हिंदी में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, अंबेरी स्थित स्वर्णगढ़ रिसॉर्ट में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश करने वाली पुलिस कार्रवाई के बाद अब इस पूरे मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में जिस हर्षवर्धन शाह को मुख्य आरोपी के रूप में दर्शाया गया, वह सामने आकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है। हर्षवर्धन का कहना है कि वह न तो स्वर्णगढ़ रिसॉर्ट का मालिक है और न ही उस अवैध गतिविधि में उसका कोई लेना-देना है। हर्षवर्धन शाह का बयानः "मैं वहां था ही नहीं" हर्षवर्धन शाह ने स्पष्ट किया कि 7 जून को उन्होंने केवल एक बुकिंग करवाई थी, जिसमें उनके कुछ गेस्ट और अन्य कुछ लोग शामिल थे। उन्होंने कहा, "स्वर्णगढ़ रिसॉर्ट का मैं मालिक नहीं हूं। मेरी सिर्फ बुकिंग थी। मैं उस समय वहां मौजूद ही नहीं था। मेरे नाम को गलत तरीके से उछाला जा रहा है। मेरे कुछ मेहमानों के साथ जो हुआ, वह जांच का विषय है, लेकिन मुझे बिना कारण इस पूरे मामले से जोड़ा गया।" हर्षवर्धन ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ यूट्यूब चैनलों ने उनकी तस्वीरें प्रसारित कर उन्हें दोषी के रूप में पेश किया, जबकि उनका घटना स्थल से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। प्रेस नोट में नामों पर भी सवाल पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। जिस प्रेस नोट में आरोपी बताए गए गुजरात के निवासियों के नाम अंग्रेज़ी में प्रकाशित किए गए हैं, वहीं अन्य राज्यों के अभियुक्तों के नाम हिंदी में प्रस्तुत किए गए हैं। यह भेदभावपूर्ण प्रस्तुति न केवल संदेह पैदा करती है, बल्कि जानकारी के पारदर्शी और संतुलित प्रस्तुतीकरण पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। उदयपुर पुलिस ने अंबेरी स्थित स्वर्णगढ़ रिसॉर्ट में 'इवेंट' की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 14 युवतियों और 15 पुरुषों सहित कुल 29 लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और सीओ कैलाश चंद्र के नेतृत्व में हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उन्हें सूचना मिली थी कि रिसॉर्ट के 'संचालक' हर्षवर्धन शाह और एक महिला नरगिस मिलकर बाहर से युवतियों को बुलाकर अनैतिक गतिविधियों में लिप्त करा रहे हैं। हालांकि अब जब हर्षवर्धन शाह ने स्वयं को केवल बुकिंग करवाने वाला बताया है और रिसॉर्ट से किसी भी प्रकार की स्वामित्व अथवा संचालन की भूमिका से इनकार किया है, तो मामले की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता और बढ़ गई है।

लगातार चोरियां, पुलिस नाकाम, सिर्फ सीसीटीवी में ही क्यों कैद होते हैं चोर.... थूर गांव में बढ़ती चोरी से परेशान ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़गांव थाना क्षेत्र के थूर गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से परेशान होकर सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने मांग की कि गांव में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और चोरी की वारदातों पर शीघ्र अंकुश लगाया जाए। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में गांव में कई बार मंदिरों में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके अलावा खेतों से पानी की मोटर और सुनसान घरों से भी चोर सामान चुरा ले जा रहे हैं। कई बार चोर सीसीटीवी कैमरों में कैद भी हुए हैं, बावजूद इसके अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गांव के लोगों का कहना है कि बढ़ती चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने जिला पुलिस प्रशासन से मांग की कि थूर गांव और आसपास के क्षेत्रों में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो। ज्ञापन देने वालों में गांव के सरपंच, समाजसेवी, किसान और युवा वर्ग के लोग शामिल थे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर का परिणाम विवादों में, छात्रों ने की पुनर्मूल्यांकन की मांग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ बढ़ा छात्रों का रोष

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 जून। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर के घोषित परिणाम पर छात्रों ने गंभीर आपत्ति जताई है। छात्रों का कहना है कि हाल ही में जारी किए गए परिणाम न केवल अपेक्षा से बहुत कम हैं, बल्कि उनमें कई त्रुटियां भी प्रतीत हो रही हैं। इसके विरोध में छात्रों ने कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर संशोधित परिणाम जारी करने की मांग की है। छात्र नेता त्रिभुवन सिंह राठौड़ ने वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 6 जून 2025 को घोषित परिणाम अधिकांश छात्रों की मेहनत और योग्यता के साथ न्याय नहीं करते। उन्होंने बताया कि कई मेधावी छात्रों को बेहद कम अंक मिले हैं, जिससे छात्र समुदाय में गहरा असंतोष फैल गया है। राठौड़ ने विश्वविद्यालय से मांग की है कि सभी उत्तर पुस्तिकाओं का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पुनर्मूल्यांकन करवाया जाए तथा संशोधित परिणाम शीघ्र जारी किए जाएं, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो।

चौकीदार जागा, लेपर्ड बंगले के गेट से भागा, छोड़ गया दहशत और सीसीटीवी में मौजूदगी

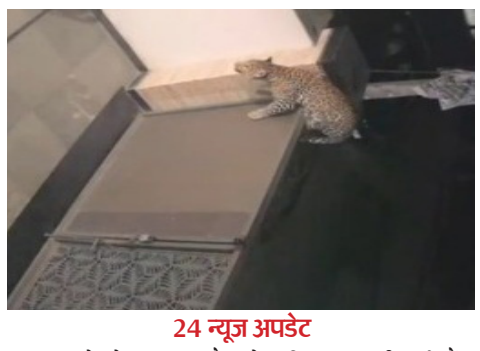

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के केशवनगर मैन रोड स्थित एसबीआई बैंक के पास एक बंगले के गेट पर शनिवार देर रात एक लेपर्ड (तेंदुआ) देखा गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह पूरी घटना बंगले में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है, जिसमें लेपर्ड चौकीदार के चिल्लाने पर छलांग मारकर सड़क की ओर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। बंगले के चौकीदार मीठालाल ने बताया कि रात करीब 11:27 बजे उन्होंने लेपर्ड को बंगले के गेट पर बैठा देखा। उनकी चीख सुनते ही लेपर्ड बंगले के अंदर कूदने की बजाय बाहर सड़क पर छलांग लगा गया और फिर रोड पार कर प्रेमनगर कॉलोनी की तरफ चला गया। बंगले के मालिक अभिषेक जैन ने बताया कि किराएदार अपूर्व जैन से बातचीत के बाद उन्हें इस घटना की जानकारी मिली और सुबह सीसीटीवी देखने पर लेपर्ड का मूवमेंट स्पष्ट नजर आया। लेपर्ड के आबादी वाले इलाके में आने की सूचना पर पूर्व पार्षद राकेश जैन ने तुरंत डीएफओ अजय चित्तौड़ा को सूचित किया। इसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के खेतों में भी सर्च अभियान चलाया। हालांकि, सुबह तक लेपर्ड का कोई नया सुराग नहीं मिल पाया है। वन विभाग की टीम ने लोगों को आश्वस्त किया है कि वे इलाके पर निगरानी रखेंगे और जरूरत पड़ने पर पिंजरा भी लगाया जाएगा। पूर्व पार्षद राकेश जैन ने बताया कि यह पूरा इलाका घनी आबादी वाला है और मुख्य सड़क पर चौबीसों घंटे वाहनों की आवाजाही रहती है। कॉलोनियों में बच्चे भी खेलते हैं, जिससे लेपर्ड के दिखने के बाद से लोगों में दहशत का माहौल है। उन्होंने कलेक्टर नमित मेहता को भी इस मामले से अवगत कराया है। जब तक लेपर्ड पकड़ा नहीं जाता, तब तक लोगों में भय बना रहेगा।

उदयपुर सर्राफा बाजार में सोना-चांदी की चमक बरकरार, टंच चांदी 1.04 लाख के पार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। शहर के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना-चांदी की कीमतों में स्थिरता देखने को मिली। उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन द्वारा जारी स्थानीय भावों के अनुसार, टंच चांदी की कीमत 1,04,900 प्रति किलोग्राम दर्ज की गई, जबकि चौरसा चांदी 1,04,000 प्रति किलोग्राम पर बिकी। सोने के दामों में भी हलचल बनी रही। स्टैंडर्ड सोना (999 शुद्धता) का भाव 98,600 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। जेवराती सोना (23 कैरेट) 94,655 प्रति 10 ग्राम तथा 22 कैरेट सोना 90,710 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा। इंद्रसिंह मेहता ने बताया कि इन दरों में वस्तु एवं सेवा कर शामिल है। व्यापारियों और निवेशकों के अनुसार, वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच स्थानीय मांग के चलते कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

कपासन में ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार - मास्टरमाइंड बालमुकुंद फरार

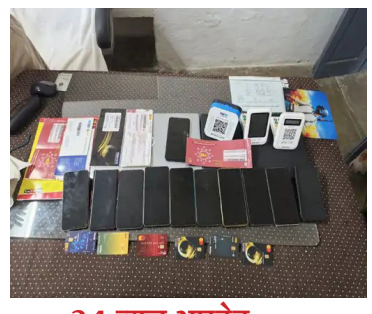

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन कस्बे में संचालित हो रहे एक बड़े ऑनलाइन सट्टा रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। साइबर थाना और भूपालसागर थाना की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह का सरगना बालमुकुंद ईनाणी उर्फ बुद्धिप्रकाश अभी भी फरार है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कपासन के एक निर्माणाधीन मकान में कुछ युवक गुपचुप तरीके से ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। मकान की पहचान विकास पुत्र मनोहरलाल राव के नाम पर हुई। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी मुकेश सांखला के निर्देशन में साइबर और भूपालसागर थाने की टीम ने छापेमारी की। छापे के दौरान पुलिस ने विकास राव (25), सौरभ आचार्य (20) और करण कुमार (22) को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी कपासन के निवासी हैं और उन्होंने पूछताछ में बताया कि वे यह अवैध कारोबार स्थानीय सरगना बालमुकुंद ईनाणी के निर्देश पर चला रहे थे। बालमुकुंद ही उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण और पैसा उपलब्ध कराता था।

पुलिस ने कार्रवाई में
निम्नलिखित सामग्री जब्त की
11 एंड्रॉयड मोबाइल फोन
2 स्कैनर मशीनें
1 कार्ड स्वाइप मशीन
एटीएम कार्ड, चेक बुक व पासबुक
मास्टरमाइंड अब भी फरार, तलाश जारी

गिरफ्तार आरोपी "मास्टर आईडी" से ग्राहक "क्लाइंट आईडी" बनाकर उन्हें पासवर्ड देते थे। फिर ग्राहक मोबाइल ऐप या वेब ब्राउज़र से लॉगिन कर सट्टा खेलते थे। खातों में जमा रकम के आधार पर उन्हें क्रेडिट प्रदान किया जाता था, जिससे वे सट्टा लगा सकें। पुलिस के अनुसार बालमुकुंद ईनाणी का नाम पहले भी कई आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। वह पूरे गिरोह को ऑपरेट कर रहा था और स्थानीय युवाओं को पैसे और लालच देकर इस नेटवर्क में जोड़ता था। इस कार्रवाई में साइबर थाना प्रभारी चंपाराम, एएसआई असरार जमा, कांस्टेबल रामनिवास, अजीत, माधवलाल, लक्ष्मणलाल, अनिल व हरिकिशन की अहम भूमिका रही। फिलहाल पुलिस बालमुकुंद ईनाणी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

चित्तौड़गढ़ में अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार:बाइक पर ले जाते समय CBN टीम ने दबोचा, छोटीसादड़ी से ला रहा था नशा

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़ में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) ने करीब साढ़े 4 किलो अवैध अफीम के साथ युवक को पकड़ा है। आरोपी से बाइक भी जब्त की गई है। यह कार्रवाई चित्तौड़गढ़ जिले के पिंड गांव के पास, पिंड-कलंदरखेड़ा रोड पर की गई। इस कार्रवाई में CBN चित्तौड़गढ़-2 डिवीजन की टीम ने एक बाइक सवार को रोका और उसके पास से 4.493 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की।

CBN को सूचना मिली थी कि मारवाड़ क्षेत्र का एक तस्कर छोटीसादड़ी इलाके से एक काले रंग की बाइक पर अवैध अफीम लेकर आ रहा है। इस अफीम को वह मंगलवाड़ के रास्ते मारवाड़ क्षेत्र ले जाने वाला था। सूचना के बाद टीम को रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर निगरानी शुरू की और हर आने-जाने वाले गाड़ियों पर नजर रखी।

जैसे ही काली बाइक आई, उसे रोका गया। जांच के दौरान बाइक से 2 पैकेट बरामद हुए, जिनमें 4.493 किलोग्राम अवैध अफीम पाई गई। मौके से ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बरामद अफीम और बाइक को जब्त कर लिया गया है।

यह पूरी कार्रवाई नरेश बुंदेल, उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा (राजस्थान) के नेतृत्व में की गई। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

दो हिस्ट्रीशीटर अपराधी गिरफ्तार: अवैध वसूली सिंडिकेट का पर्दाफाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में संगठित अपराधों में संलिप्त दो कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को सूरजपोल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों आरोपी उदयपुर के अम्बामाता थाना क्षेत्र के निवासी हैं और हार्डकोर अपराधी अयुब शाह के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से एक सिंडिकेट चला रहे थे। वे आम नागरिकों को डराकर और धमकाकर अवैध रूप से पैसे वसूल रहे थे। इस मामले में थाना सूरजपोल के उप निरीक्षक महेश जोशी ने 2 मई 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि हिस्ट्रीशीटर अयुब शाह हत्या, लूट और डकैती जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त रहा है और अपने अन्य दो साथियों – मोहम्मद जुबैर उर्फ बिट्टू और मोहम्मद बिलाल उर्फ डेविड – के साथ मिलकर संगठित सिंडिकेट बनाकर उद्यापन, धमकियों और अवैध वसूली की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। इस रिपोर्ट के आधार पर थाना सूरजपोल में प्रकरण संख्या 157/2025, धारा 112(2)(b), 111(3), 111(4), 3(5) बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इससे पहले इस मामले में मुख्य आरोपी अयुब शाह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, वृताधिकारी छगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतन सिंह मय टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए, सूचना और तकनीकी सहयोग से शेष दो वांछित आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोहम्मद बिलाल उर्फ डेविड (पुत्र मोहम्मद अकरम, उम्र 33 वर्ष, निवासी मस्तानबाबा कॉलोनी, मल्लातलाई) और मोहम्मद जुबैर उर्फ बिट्टू (पुत्र मोहम्मद युसूफ, उम्र 33 वर्ष, निवासी कॉमी एकता नगर, मल्लातलाई) शामिल हैं। दोनों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आपराधिक रिकॉर्ड के अनुसार, मोहम्मद बिलाल पर 16 प्रकरण, जबकि मोहम्मद जुबैर पर 21 प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें अधिकतर गंभीर अपराध शामिल हैं। दोनों आरोपी थाना अम्बामाता के हिस्ट्रीशीटर घोषित अपराधी हैं। गिरफ्तारी टीम में थानाधिकारी रतन सिंह के साथ उप निरीक्षक विरम सिंह, सहायक उप निरीक्षक ओमवीर सिंह, कांस्टेबल पवन (742), हितेन्द्र सिंह (3103), भावेश (98) और साइबर सेल के लोकेश रायकवाल तथा अभिषेक शामिल रहे।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री को रिश्वत देने की कोशिशः सरकारी टीचर ने दिया 5 हजार का लिफाफा, दिलावर बोले- यह मेरे जीवन की सबसे खराब घटना

24 न्यूज अपडेट

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सरकारी टीचर ने रिश्वत देने की कोशिश की। वह पाठ्यक्रम समिति में शामिल होने के लिए जनसुनवाई के दौरान प्रार्थना पत्र लेकर आया था। इसके साथ एक लिफाफा और मिठाई का डिब्बा भी था। लिफाफे में 5 हजार रुपए थे। मंत्री ने पुलिस को सूचना दे दी है। टीचर से पूछताछ की जा रही है।

बांसवाड़ा जिले में ग्रेड थर्ड टीचर है युवक

रुपयों का लिफाफा देने वाले युवक का नाम चंद्रकांत वैष्णव है। बांसवाड़ा के घाटोल ब्लॉक में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बुधा में पोस्टिंग है। पुस्तक लेखन का काम राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT) करती है। उसी लेखन प्रक्रिया में वह स्वयं को शामिल करवाना चाहता है। इसी मंशा के साथ सोमवार सुबह चंद्रकांत मंत्री के जयपुर के सिविल लाइंस स्थित आवास पर पहुंचा था।

जन सुनवाई के दौरान मिठाई के साथ लिफाफा दिया

मंत्री सोमवार सुबह अपने सिविल लाइंस आवास पर जनसुनवाई कर रहे थे। तभी चंद्रकांत पाठ्यक्रम समिति में शामिल करने की मांग के लिए प्रार्थना पत्र लेकर आया। इसके साथ उसने एक लिफाफा और मिठाई का डिब्बा भी दिया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया- मैंने सामान्य लिफाफा समझ कर रख लिया, क्योंकि रोज सिफारिश के पत्र के साथ कई लिफाफे आते हैं। मेरे फोटोग्राफर भरत ने बताया कि उसमें पैसे हैं। इसके बाद मैंने लिफाफा देखा तो उसमें 5 हजार रुपए थे। मुझे रामगढ़ बांध जाना था। मैंने उसे वहीं बिठा दिया और पुलिस को सूचित किया। अब पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है।

दिलावर बोले - मेरे जीवन की सबसे खराब घटना है

मदन दिलावर ने कहा कि यह मेरे जीवन की पहली घटना है। लगभग 35-36 साल राजनीति में हो गए, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी को ये लगा हो कि शिक्षा मंत्री पैसे देकर काम करते हैं।

मदन दिलावर ने कहा- मैंने तुरंत ही संबंधित थाने की पुलिस को बुलाया। मैं रामगढ़ बांध से वापस आया तो ये बात पत्रकारों को बताया। ये मेरे जीवन की बड़ी घटना है। सबसे खराब घटना है। ये दुखद बात है कि लोगों की सोच ये है कि शिक्षा मंत्री पैसे लेता है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 10 साल की कैदःपॉक्सो कोर्ट ने 61 हजार का जुर्माना भी लगाया, जज ने कहा- नरमी बरतना उचित नहीं

24 न्यूज अपडेट

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट 2 ने 16 साल की नाबालिग से रेप के आरोपी पड़ोसी को 10 साल की सजा सुनाई है। आरोपी पर 61 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- बालिकाओं के साथ बढ़ते अपराध को देखते हुए आरोपी के प्रति नरमी बरतना उचित नहीं है।

सरकारी वकील संजय तिवारी ने बताया- क्लॉक टावर थाने में 16 साल की नाबालिग की मां ने अप्रैल 2024 में मुकदमा दर्ज करवाया था। मां ने शिकायत में बताया- पड़ोस में रहने वाले युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया है। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच करते हुए नाबालिग को दस्तयाब कर लिया। पीड़ित ने अपने बयानों में बताया- आरोपी ने मार्च में उसे अपने घर बुलाकर रेप किया था। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया। सरकारी वकील संजय तिवारी ने बताया कि सोमवार को पॉक्सो कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से 28 दस्तावेज और 12 गवाह पेश किए गए। एफएसएल रिपोर्ट में नाबालिग से रेप की पुष्टि हुई थी, जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी पड़ोसी को 10 साल की सजा सुनाई। आरोपी पर 61 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

गहलोत ने अफसरों के लंबित तबादलों पर उठाए सवाल, कहा- सरकार बड़े निर्णय कैसे ले पाएगी

24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजस्थान में नौकरशाहों के तबादलों को लेकर लगातार इंतजार बना हुआ है. न केवल ब्यूरोक्रेसी, बल्कि सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष के नेता भी इन तबादलों की प्रतीक्षा कर रहे हैं. विधानसभा के बजट सत्र की समाप्ति के बाद से ही आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के बड़े स्तर पर तबादलों की चर्चाएं जोरों पर थीं, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक तबादला सूची जारी नहीं हुई है. राज्य में 40 से अधिक आईएएस अधिकारी ऐसे हैं, जो एक साथ कई विभागों का कार्यभार संभाल रहे हैं. ऐसे में लंबे समय से तबादलों के लटके रहने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं.

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "राजस्थान में लगभग हर सरकारी विभाग की स्थिति खराब है. जनवरी 2025 में पदोन्नति पा चुके कई आईएएस और आईपीएस अधिकारी अपनी नई पोस्टिंग के लिए छह महीने से इंतजार कर रहे हैं. तहसीलदार के पद पर पदोन्नत 250 अधिकारी भी मजबूरी में अब तक अपने कनिष्ठ पदों पर कार्य कर रहे हैं. इसका सीधा असर प्रशासनिक कार्यों और आमजन पर पड़ रहा है." गहलोत ने सवाल उठाया कि जब ऐसी रूटीन प्रक्रियाओं में ही छह-छह महीने लग रहे हैं, तो सरकार बड़े निर्णय कैसे ले पाएगी.

मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दे सरकारः गहलोत ने कहा कि "रविवार को मैंने प्रदेश की बिजली की समस्या उठाई तो सरकार की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उपलब्धियों का बखान किया, लेकिन बिजली कटौती की समस्या जारी है. बिजली के साथ राजधानी जयपुर में स्थित मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर सहित प्रदेशभर में पेयजल के लिए हाहाकार मचा है एवं आमजन प्रदर्शन करने के लिए जनता मजबूर है. सरकार को प्रेस वार्ता कर उपलब्धियां गिनाने की बजाय बिजली-पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर देना चाहिए जिससे जनता को राहत मिल सके."

गहलोत ने बिजली संकट पर उठाए थे सवालः दरअसल, रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में भीषण गर्मी के दौरान बिजली संकट पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि गांव में लोगों को बिजली नहीं मिल रही है, और अघोषित कटौती से लोग परेशान हैं, जिस पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गहलोत पर सवाल खड़े किए थे और कहा था कि जितना काम उन्होंने 5 साल में किया था उतना हमने डेढ़ साल में कर दिया है, साथ ही दावा भी किया था कि राजस्थान में कहीं भी बिजली कटौती नहीं हो रही है.

जयपुर में मानव भ्रूण मिलने से फैली सनसनी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजधानी जयपुर में सोमवार को मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है. यहां लालकोठी थाना इलाके में रवींद्र रंगमंच के पास एक मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई. जानवर मानव भ्रूण को नोंच रहे थे. जैसे ही लोगों की नजर भ्रूण पर पड़ी तो पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी गई. सूचना के बाद लालकोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भ्रूण को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया. इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है.

लालकोठी थाना प्रभारी बन्नालाल ने बताया कि आज सुबह लोगों ने रवींद्र रंगमंच के पास लावारिस हालात में मानव भ्रूण के पड़े होने की जानकारी दी. इस जानकारी पर थाने की टीम मौके पर पहुंची और भ्रूण को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया. इस संबंध में अज्ञात शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है. घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर जांच की जा रही है. इसके साथ ही आसपास के अस्पतालों से भी रिकॉर्ड की जांच करवाई जा रही है.

अयप्पा मंदिर चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार; वाद्य यंत्र मशीन बरामद

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। निम्बाहेड़ा कस्बे में स्थित अयप्पा मंदिर से हुई चोरी की वारदात का कोतवाली थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया वाद्य यंत्र मशीन बरामद कर ली है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 28 मई को निम्बाहेड़ा स्थित अयप्पा मंदिर से अज्ञात बदमाशों ने मंदिर में लगा वाद्य यंत्र और मंदिर परिसर में खुदी ट्यूबवेल की मोटर केबल सेट चुरा लिया था। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। थानाधिकारी निम्बाहेड़ा रामसुमेर मीणा के निर्देश पर एएसआई सूरज कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल हरविंदर सिंह, कांस्टेबल वीरेंद्र, सुमित कुमार, शिशपाल, ज्ञानप्रकाश और हेमंत कुमार की टीम ने आसूचना संकलन के आधार पर संदिग्ध आरोपी करण पुत्र रमेश चंद्र अहीर (उम्र 26 वर्ष) निवासी अजगन मंडी (पुरानी लहसुन मंडी नीमच) के सामने रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित झुग्गी झोपड़ी, थाना नीमच कैंट, जिला नीमच (म.प्र.) को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी करण ने वारदात करना स्वीकार कर लिया। उसे गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर मंदिर से चोरी किया गया वाद्य यंत्र बरामद कर जब्त कर लिया गया। आरोपी को जांच के बाद न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

ड्रग्स के खिलाफ सरकार का बड़ा कदम : राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन MANAS-1933 शुरू, गुप्त सूचना देने और नशा मुक्ति में मिलेगी मदद

आसूचना प्रवर्तन समन्वय
INTELLIGENCE ENFORCEMENT COORDINATION

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 09 जून। देश को नशामुक्त भारत-2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन MANAS-1933 का शुभारंभ किया है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन ड्रग्स तस्करी संबंधी सूचना गुप्त रूप से साझा कर सकते हैं और नशे के आदी व्यक्तियों के पुनर्वास एवं काउंसलिंग के लिए मार्गदर्शन भी प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्र सरकार की "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत शुरू किए गए इस प्लेटफॉर्म को देशभर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTFs) से जोड़ा गया है, ताकि ड्रग्स तस्करी पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। यह हेल्पलाइन 24x7 सक्रिय रहेगी और सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव महेन्द्र कुमार खींची द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी राज्य स्तरीय विभागों को कहा गया है कि MANAS-1933 हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। इसके तहत स्कूल, कॉलेज, पंचायत स्तर तक इस हेल्पलाइन की जानकारी पहुंचाई जाएगी, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकें।

हेल्पलाइन के अतिरिक्त https://www.ncbmanas.gov.in/awareness पोर्टल पर जनजागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर, वीडियो, ब्रोशर आदि भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें आमजन देख सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और साझा कर सकते हैं।

गृह विभाग ने सभी विभागों से प्रचार-प्रसार की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर विभाग को भेजने के निर्देश भी दिए हैं। सरकार को उम्मीद है कि MANAS-1933 के जरिये ड्रग्स तस्करी की रोकथाम के साथ-साथ ड्रग एडिक्ट व्यक्तियों के सामाजिक पुनर्वास को भी एक नई दिशा मिलेगी।

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में समाज के हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। MANAS-1933 इस दिशा में एक सशक्त माध्यम बनेगा।

युवती को ब्लैकमेल कर किया रेपःशादीशुदा आरोपी ने सोशल मीडिया पर दोस्ती की थी, दोस्त के साथ मिलकर रुपए हड़पे

24 न्यूज अपडेट

अजमेर में एक युवती को शादी का झांसा देकर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी पर सोशल मीडिया पर दोस्ती कर अश्लील फोटो वीडियो से ब्लैकमेल करने और अपने दोस्त के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने क्रिश्चियन गंज थाने में इसकी शिकायत दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में सीओ रूद्र प्रकाश शर्मा जांच कर रहे है। क्रिश्चियन गंज थाने में पीड़िता ने शिकायत देकर बताया- सोशल मीडिया पर उनकी एक युवक से जान पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इस बीच आरोपी ने उसे मिलने बुलाया और एक होटल में ले जाकर शादी का झांसा देकर रेप किया। इस दौरान उसके अश्लील फोटो वीडियो भी बना लिए गए। बाद में आरोपी अपने एक फ्लैट में ले गया वहां भी उसके साथ रेप किया जहां उसके एक दोस्त ने भी उसके साथ मदद की थी।

पीड़िता ने पुलिस को बताया- इसके बाद आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देकर करीब 1 लाख रुपए उसे हड़पे गए। शादी की कहने पर वह टालमटोल करता रहा। करीब 1 साल बाद पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है।

पीड़िता ने बताया- ब्लैकमेल कर आरोपी कई बार सुनसान जगह पर ले जाकर गाड़ी में उसके साथ रेप किया। उसका दोस्त गाड़ी के बाहर खड़ा हो जाता था। एक दिन उसे पैसे देने का झांसा देकर बुलाया और उसके साथ मारपीट की। आरोपी 2 साल तक उसके साथ रेप करता रहा। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेबी के नाम पर साइबर धोखाधड़ी का नया जालः राजस्थान पुलिस ने निवेशकों को चेताया

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 9 जून। साइबर अपराधी लगातार अपनी चालें बदल रहे हैं, और अब उन्होंने निवेशकों को ठगने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) जैसे प्रतिष्ठित वित्तीय नियामक का नाम इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए आम जनता और निवेशकों को इस नए धोखाधड़ी के जाल से सावधान रहने को कहा है। पुलिस ने साफ किया है कि धोखेबाज सेबी के फर्जी लेटरहेड, रिकवरी सर्टिफिकेट और यहां तक कि सील का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि वे सेबी अधिकारी बनकर लोगों को ठग सकें।

कैसे बिछाया जा रहा है ये जाल

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी इन दिनों निवेशकों को ऐसे संदेश या आदेश भेज रहे हैं, जो देखने में बिल्कुल सेबी से जारी हुए लगते हैं। इन फर्जी दस्तावेजों में सेबी का लेटरहेड और रिकवरी सर्टिफिकेट की हूबहू नकल होती है, जिससे पहली नजर में इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। वे खुद को सेबी का अधिकारी बताते हैं और निवेशकों को विभिन्न बहाने बनाकर झांसे में लेते हैं। उनका मकसद निवेशकों की मेहनत की कमाई को हड़पना होता है।

ऐसे करें सेबी के आदेशों और नोटिसों की पहचान

SEBI ने इस धोखाधड़ी से बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण तरीके बताए हैं, जिनकी मदद से आप किसी भी आदेश या नोटिस की प्रामाणिकता की पुष्टि कर सकते हैं:

सेबी की वेबसाइट ही असली स्रोतः सेबी द्वारा पारित हर आदेश उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर "Home » Enforcement » Orders" सेक्शन में उपलब्ध होता है। अगर आपको कोई आदेश मिलता है, तो सबसे पहले उसे सेबी की वेबसाइट पर जाकर सत्यापित करें।

रिकवरी सर्टिफिकेट की पुष्टिः सेबी द्वारा जारी सभी रिकवरी सर्टिफिकेट "Enforcement » Recovery Proceedings" सेक्शन में देखे जा सकते हैं। किसी भी रिकवरी सर्टिफिकेट की सच्चाई जानने के लिए इस सेक्शन को ज़रूर जांचें।

UDIN नंबर से सत्यापनः सेबी हर आदेश में एक "अद्वितीय दस्तावेज़ पहचान संख्या (UDIN)" जारी करता है। आप इस UDIN को SEBI की वेबसाइट पर "Home » Authenticate Document Number Issued by SEBI" पर जाकर सत्यापित कर सकते हैं। यह सबसे आसान और सुरक्षित तरीका है किसी भी दस्तावेज़ की प्रामाणिकता जांचने का।

अधिकारियों की जानकारीः यदि कोई व्यक्ति खुद को सेबी अधिकारी बताता है, तो आप उसके नाम, ईमेल आईडी और संपर्क नंबर को SEBI की वेबसाइट पर "Home » About » SEBI Directory" में जांच सकते हैं।

सेबी ने यह भी बताया कि वह केवल अपने आधिकारिक '@sebi.gov.in' डोमेन वाले ईमेल पते से ही आदेश जारी करता है। किसी भी अनाधिकृत या संदिग्ध ईमेल से प्राप्त संदेशों पर विश्वास न करें।

साइबर ठगी होने पर क्या करें

राजस्थान पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई इस प्रकार की धोखाधड़ी का प्रयास करता है, तो इसकी तत्काल सूचना साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर दें या https://cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही निकटतम पुलिस स्टेशन अथवा साइबर पुलिस स्टेशन में भी रिपोर्ट करें।

पुलिस का कहना है कि जागरूकता ही इस प्रकार के साइबर अपराधों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। निवेशक किसी भी आदेश को सत्यापित किए बिना उस पर कार्रवाई न करें।

एमडीएस के दो बच्चों ने रिकॉर्ड समय में पैदल पूरी की मणिमहेश कैलाश यात्रा, बर्फबारी, ग्लेशियर और शून्य से नीचे तापमान को दी मात, 35 किमी ट्रेक दो दिनों में किया तय

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। शहर के एमडीएस स्कूल में अध्ययनरत दो होनहार विद्यार्थियों प्रमीषा सनाढय (उम्र 13 वर्ष) और प्रथमेश सनाढय (उम्र 11 वर्ष) ने अपने अदम्य साहस, इच्छाशक्ति और आस्था के बल पर 35 किलोमीटर लंबी मणिमहेश कैलाश यात्रा का कठिन ट्रेक मात्र दो दिनों में पैदल तय कर एक मिसाल कायम की है। दोनों बच्चों ने यह यात्रा अपने माता-पिता के साथ मिलकर पूरी की। यह ट्रेक हिमाचल प्रदेश के कठिनतम धार्मिक और पर्वतीय मार्गों में से एक माना जाता है, जहाँ भारी बर्फबारी, ग्लेशियरों को पार करना और शून्य से भी नीचे तापमान जैसी विषम परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। लेकिन इन चुनौतियों के सामने बच्चों की आत्मिक आस्था, मनोबल और शारीरिक सहनशक्ति पूरी तरह डटी रही। एमडीएस के डायरेक्टर डॉ. शैलेंद्र सोमानी सहित शिक्षकों ने बच्चों को उपलब्धि पर बधाई दी व उत्साहवर्धन किया। प्रमीषा और प्रथमेश इससे पहले भी केदारनाथ, तुंगनाथ, नाग टिब्बा जैसे कई ऊँचाई वाले ट्रेक्स को सफलतापूर्वक पैदल पूरा कर चुके हैं। इस अनुभव ने भी उन्हें इस कठिन यात्रा के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार किया। इस अद्वितीय उपलब्धि का श्रेय दोनों बच्चों ने भगवान में अपनी गहरी आस्था, अपने गुरुजनों की प्रेरणा और माता-पिता के आशीर्वाद को दिया। बच्चों का कहना है कि उनके माता-पिता ने उन्हें कभी हार मानना नहीं सिखाया, बल्कि हमेशा नई ऊँचाइयों को छूने के लिए उत्साहित किया है। इस साहसिक कार्य के लिए शहरवासियों और विद्यालय परिवार की ओर से दोनों बच्चों को शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दी जा रही हैं। ऐसी प्रेरणादायक यात्राएँ आज की पीढ़ी को साहस, अनुशासन और आत्मविश्वास का नया पाठ पढ़ा रही हैं।

उदयपुर टीम चयनित, 13 जून से डीडवाना में खेलेगी राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के तत्वावधान में गांधी ग्राउंड पर सब-जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी चयन ट्रायल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने भाग लिया। ट्रायल के आधार पर उदयपुर जिले की बालक एवं बालिका कबड्डी टीमों का चयन किया गया, जो आगामी 13 जून से डीडवाना में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कबड्डी संघ के आयोजन सचिव जालमचंद जैन ने बताया कि बालक टीम की कमान लोकेश पटेल को सौंपी गई है जबकि बालिका टीम का नेतृत्व चेतना माली करेंगी। चयनित बालक टीम इस प्रकार हैः लोकेश पटेल (कप्तान), देव गुर्जर, भूपेश गुर्जर, निखिल गायरी, निलेश पटेल, प्रिंस तेली, रणजीत सिंह देवड़ा, शब्बू हुसैन, जय गुप्ता, पूरण रावत, तुषार डांगी, मयंक प्रजापत, युवराज सिंह राठौड़, गौरव गायरी। टीम मैनेजरः मुंशी मोहम्मद, कोचः श्याम सुंदर शर्मा। चयनित बालिका टीम इस प्रकार हैः चेतना माली (कप्तान), चंदा कुमारी डांगी, वंदना गाडरी, खुशी कुमारी झाला, निकिता मेघवाल, पपीता भील, संध्या कंवर, फेना भील, गुनगुन जाट, लक्षिता मेहता, मुस्कान कंवर पंवार, मुस्कान मेहता। टीम मैनेजरः मुंशी मोहम्मद, कोचः सीमा जाट। टीम चयन के दौरान जिला कबड्डी संघ के सचिव मुकेश जैन, अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह खनुजा, जालम चंद जैन, कपिल जैन, बलवीर दिगपाल, गोपाल पुर्बिया, राकेश शर्मा सहित संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला सचिव मुकेश जैन ने बताया कि चयनित टीमें 13 जून से डीडवाना में शुरू होने वाली राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में अब 15 जून तक कर सकेंगे प्रवेश आवेदन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 जून। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के विधि महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025–26 में एलएल.बी. (LL.B.), एलएल.एम. (LL.M.) एवं बी.ए.एलएल.बी. (B.A.LL.B.) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून 2025 तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह अंतिम तिथि 8 जून 2025 निर्धारित की गई थी। महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर आनंद पालीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि एलएल.एम. और बी.ए.एलएल.बी. पाठ्यक्रमों की 120–120 सीटों पर प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 22 जून 2025 को आयोजित की जाएगी। वहीं, एलएल.बी. पाठ्यक्रम की 300 सीटों हेतु प्रवेश परीक्षा अब परिवर्तित तिथि 23 जून 2025 को संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने के लिए "ABC ID" (Academic Bank of Credits पहचान) बनाना अनिवार्य है। साथ ही आरक्षण की सुविधा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी। प्रो. पालीवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी वर्तमान में स्नातक (UG) अथवा स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं और पात्रता रखते हैं, वे भी इन प्रवेश परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थियों से महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट अथवा प्रवेश कार्यालय से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

विद्यापीठ के नवीन विद्यालय एवं महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव का भव्य आयोजन, 90 समाजसेवियों का सम्मान, शिक्षा से ही राष्ट्र निर्माण संभव – प्रो. सारंगदेवोत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 जून। जनजातीय और वंचित वर्गों में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से स्थापित जनुभाई विद्यापीठ के बेमला–कुराबड़ स्थित नवीन राजस्थान विद्यापीठ महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल में सोमवार को प्रवेशोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक योगदान देने वाले 90 समाजसेवियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि विद्यापीठ की स्थापना 1937 में स्वतंत्रता से पूर्व उस समय की गई थी, जब शिक्षा से आदिवासी और वंचित वर्ग वंचित था। जनुभाई का सपना था कि हर व्यक्ति को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि "2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूरा होगा, जब अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचेगी।" शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि भारतीय मूल्यों, संस्कृति और चरित्र निर्माण के साथ सर्वांगीण विकास की ओर ले जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यापीठ उसी पथ पर अग्रसर है। साथ ही उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए इसे एक दूरदर्शी कदम बताया। कुलाधिपति बी.एल. गुर्जर ने कहा कि विद्यापीठ अपने स्थापना काल से ही हर व्यक्ति तक शिक्षा पहुँचाने का प्रयास करता रहा है। उन्होंने दोहराया कि "शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है" और विद्यापीठ इस अधिकार को साकार करने के लिए संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा एवं वरिष्ठ समाजसेवी हरिसिंह चौहान ने भी विचार व्यक्त किए।

बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता

प्रवेशोत्सव में आसपास के क्षेत्रों से अभिभावक, विद्यार्थी तथा जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेष रूप से नवल सिंह जुड़, दूल्हे सिंह, चतर सिंह, कमलेश्वर सिंह कच्छेर, मांगी बाई सरपंच, भरत मीणा, नत्थे खान, रमेश चौधरी, नवनीत औदिच्य, भंवरलालपटेल, शिवलाल पटेल सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

विश्वविद्यालय परिवार की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. भवानीपाल सिंह राठौड़, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, प्रो. गजेन्द्र माथुर, प्रो. मंजू मांडोत, प्रो. कला मुनेत, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. आई.जी. माथुर, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. अमिया गोस्वामी, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. रचना राठौर, डॉ. अमी राठौर, डॉ. सुनीता मूर्डिया, डॉ. रोहित कुमावत, डॉ. सुभाष पुरोहित, डॉ. हरीश मेनारिया, डॉ. अमित दवे, डॉ. पल्लव पांडे, डॉ. मिनेश भट्ट, डॉ. इंदु आचार्य, डॉ. नीतू व्यास, डॉ. लक्ष्मण रेबारी, डॉ. सुनील जैन, डॉ. मनोहर टेलर, हेमेंद्र सिंह चूंडावत सहित विद्यापीठ कुल परिवार के अनेक अधिकारी, प्राध्यापक एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश चौबीसा एवं वर्तिका गुर्जर ने संयुक्त रूप से किया, जबकि डॉ. हिम्मत सिंह चुंडावत ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया।

खाटूश्याम मंदिर के गर्भगृह का आधार तैयार, आचार्य ब्रजेश महाराज करायेंगे शिला पूजन, आज होगा भव्य आयोजन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, उदयपुर की ओर से डबोक एयरपोर्ट रोड स्थित तुलसीदास सराय में निर्माणाधीन भव्य खाटूश्याम मंदिर के गर्भगृह का आधार तैयार हो चुका है। आज मंगलवार, 10 जून को इस अवसर पर भव्य शिला पूजन और कीर्तन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन मंदिर निर्माण कार्य के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

शिला पूजन व पूज्य संतों का सान्निध्य

ट्रस्ट अध्यक्ष शशिकांत खेतान ने बताया कि आज सायं 5:15 बजे वृंदावन से पधारे आचार्य ब्रजेश जी महाराज के सान्निध्य में ट्रस्टीगण एवं गणमान्यजनों द्वारा विधिवत शिला पूजन कर शिलाओं को मंदिर के गर्भगृह में धराया जाएगा। 11000 वर्गफीट क्षेत्र में गर्भगृह का आधार रविवार को ही तैयार हो चुका है। इस गर्भगृह में पांचों मंदिरों—श्री गणेशजी, हनुमानजी, शंकरजी, राणीसती दादीजी एवं मुख्य खाटूश्यामजी—में चरणकमल स्थापित किए जाएंगे।

फूल बंगला और श्रृंगारित दरबार में बाबा श्याम विराजेंगे

सायं 7:15 बजे से शुरू होने वाले भव्य दरबार को जयपुर के साँवरिया डेकोरेटर द्वारा कोलकाता व बेंगलुरु से लाई गई रंग-बिरंगी फूलमालाओं, स्वर्णाभूषणों, कुण्डल, मुकुट, छत्र व हार आदि से श्रृंगारित किया जाएगा। मोगरे की मालाओं से सुवासित सुंदर फूल बंगले में बाबा श्याम को विराजमान किया जाएगा। बढ़ती भक्तसंख्या, गर्मी व संभावित वर्षा को देखते हुए समुचित सुरक्षा व सुविधाजनक व्यवस्था की गई है।

भजन संध्या में गूंजेंगे श्याम नाम के स्वर

भजन संध्या में कोलकाता के प्रसिद्ध संजू शर्मा बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे, जिनका साथ देगा कन्हैया म्यूजिकल ग्रुप। साथ ही सम्बलपुर (ओडिशा) से शुभांगी सोनी और उदयपुर की प्रसिद्ध गायिका केमिता राठौड़ भी अपनी प्रस्तुति देंगी। अजमेर के दिवेश साउंड व हिमांशु साउंड की मधुर ध्वनि और नीमच के संगतकारों की सुर-लय-ताल से वातावरण भक्तिमय बनेगा।

छप्पन भोग प्रसाद व विशाल भंडारा

बाबा श्याम के समक्ष तुलसी, पंचामृत, खीर, चूरमा आदि पारंपरिक व्यंजनों सहित छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। आरती के पश्चात सभी भक्तों को पंक्तिबद्ध रूप से प्रसाद और भंडारा वितरित किया जाएगा।

अनुशासन, श्रद्धा और सुव्यवस्था ट्रस्टी अशोक पोद्दार ने बताया कि पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था की गई है। दर्शन के लिए बैरिकेडिंग की गई है, जिससे भक्त अनुशासनपूर्वक दर्शन कर सकें। सभी से अनुरोध किया गया है कि जूते-चप्पल यथासंभव वाहन में ही उतारें, दर्शन की लंबी लाइन के कारण कुछ समय बैठकर भजन सुनें, आरती के समय धक्का-मुक्की न करें तथा भंडारा प्रसाद पंक्ति में प्राप्त करें।

मंदिर का स्वरूप व निर्माण प्रगति

मीडिया प्रभारी डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि मंदिर का कुल क्षेत्रफल 1,17,000 वर्गफीट होगा। मुख्य मंदिर का फ्लोर एरिया 13,000 वर्गफीट तथा उसके नीचे 9,000 वर्गफीट का सत्संग हॉल निर्माणाधीन है। मंदिर की ऊंचाई 91 फीट होगी, जो मुख्य हाईवे से 20 फीट ऊंचा होने के कारण सड़क से ही दर्शन संभव होंगे। मंदिर में वही पत्थर उपयोग हो रहे हैं, जो अयोध्या के राम मंदिर में लगे हैं और इन्हें बान्सी-भरतपुर से मंगवाया गया है।

भावी विकास योजनाएं भी तय

सचिव प्रताप गुप्ता ने बताया कि पांच मंदिरों, सत्संग हाल और कीर्तन स्थल के अलावा एक गौशाला, 100 कमरों की धर्मशाला, वृद्धाश्रम तथा 30,000 स्क्वायर फीट का सुंदर गार्डन भी प्रस्तावित है।

निर्माण में दिखा अद्भुत समर्पण

मुख्य आर्किटेक्ट राजू शर्मा ने बताया कि रविवार को केवल 10 दिनों में 11,000 वर्गफीट छत की भराई 100 इंजीनियरों, कारीगरों, मजदूरों और सेवकों के अथक प्रयासों से पूर्ण की गई, जो उनके दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

पृथक मेवाड़-वागड़ प्रदेश की मांग को लेकर देवेंद्रधाम में विशाल बैठक सम्पन्न, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चपलोत बोले-जल्द प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पृथक मेवाड़-वागड़ प्रदेश की मांग को लेकर मेवाड़ विकास मंच द्वारा देवेंद्रधाम में एक विशाल विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार डॉ. लोकेश आचार्य ने की। आयोजन में मंच के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और कई प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए पृथक राज्य की आवश्यकता को रेखांकित करना था। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट शांतिलाल चपलोत, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अंतरराष्ट्रीय ग़ज़ल गायक डॉ. देवेंद्र सिंह हिरण, एडवोकेट अरुण व्यास, एडवोकेट सुनील बोर्दिया, एडवोकेट भारत कुमावत, समाजसेवी कमलेंद्र सिंह पंवार, डॉ. राजश्री गांधी और डॉ. सुनील शर्मा शामिल हुए। मेवाड़ विकास मंच के संस्थापक डॉ. करण सिंह मोगरा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मेवाड़ और वागड़ क्षेत्र लंबे समय से विकास की दौड़ में उपेक्षित रहे हैं। जल, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए पृथक प्रदेश ही एकमात्र विकल्प है। बैठक को समर्थन देते हुए राजपूत करणी सेना जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह चुंडावत, क्षत्रिय करणी सेना जिलाध्यक्ष रामनाथ सिंह चौहान और स्वतंत्रता सेनानी मास्टर किशनलाल वर्मा सेवा ट्रस्ट के संस्थापक प्रमोद वर्मा ने पृथक मेवाड़-वागड़ प्रदेश की मांग का समर्थन किया और आंदोलन को पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट शांतिलाल चपलोत ने भरोसा दिलाया कि वे मंच की इस मांग को न केवल राजस्थान विधानसभा और लोकसभा में उठाएंगे, बल्कि शीघ्र ही प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे। प्रदेश महासचिव कुंवर विजयसिंह कच्छावाहा ने घोषणा की कि अब जनजागरण के लिए एक व्यापक जनजागृति अभियान चलाया जाएगा, जिससे आम जनता को इस आंदोलन से जोड़ा जा सके। बैठक में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी जन भावना को उभारा गया। वरिष्ठ अधिवक्ता व ग़ज़ल गायक डॉ. देवेंद्र सिंह हिरण ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत ग़ज़लें प्रस्तुत कीं, जबकि डॉ. रचना तेलंग ने राजस्थानी शूरवीर गीत सुनाकर माहौल को जोश और ऊर्जा से भर दिया। बैठक का संचालन सत्यनारायण चौबीस ने किया। इस पूरी बैठक की जानकारी मंच के प्रदेश महासचिव कुंवर विजयसिंह कच्छावाहा द्वारा दी गई।

शिक्षक संघ ने ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन, डीपीसी, स्थानांतरण, वेतन विसंगति, रिक्त पदों की भरती और छाया पद सृजन की मांग प्रमुख

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने प्रदेश के शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ग्यारह सूत्रीय मांग पत्र भेजा है। ज्ञापन में वर्षों से लंबित डीपीसी, तबादलों पर रोक, नवक्रमोन्नत विद्यालयों में प्राध्यापक पदों की स्वीकृति और छाया पद सृजन जैसी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की गई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान और प्रदेश महामंत्री गोपाल मीणा ने बताया कि विगत पाँच शैक्षणिक सत्रों से तृतीय श्रेणी शिक्षकों की डीपीसी नहीं की गई है, जिससे विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया बाधित हो गई है। वहीं सात वर्षों से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण भी रुके हुए हैं, जिससे शिक्षकों और उनके परिवारों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

शैक्षणिक ढांचे पर गिर रही गाज

शेर सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि विभागीय नीतियों की खामियों के चलते प्रदेश का शैक्षणिक ढांचा जर्जर हो गया है। विद्यालयों में हजारों पद रिक्त पड़े हैं और नवक्रमोन्नत विद्यालयों में अभी तक प्राध्यापकों के पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं। इसके अलावा, शिक्षकों से बीएलओ जैसे गैर-शैक्षणिक कार्य भी करवाए जा रहे हैं, जिससे स्कूलों में पढ़ाई बाधित हो रही है।

महात्मा गांधी स्कूलों के शिक्षक पदस्थापन की राह देख रहे

ज्ञापन में बताया गया कि महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों के लिए चयनित शिक्षक दस माह से पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके चलते न केवल शिक्षकों की ऊर्जा व्यर्थ जा रही है, बल्कि स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

1280 नवनियुक्त शिक्षकों को नौकरी जाने का डर

प्रदेश महामंत्री गोपाल मीणा ने कहा कि तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल-2 भर्ती 2022 के बाद संशोधित परिणाम जारी होने से 1280 नवनियुक्त शिक्षकों की नियुक्ति पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इन शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए 1280 छाया पद (शैडो पोस्ट) शीघ्र सृजित किए जाएं।

संघ देगा आंदोलन को रूप

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के कई विद्यालयों की इमारतें जर्जर हैं, जिनकी मरम्मत हेतु बजट शीघ्र जारी किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मांगों पर समय रहते सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो संगठन आगामी 12 जून को जयपुर में होने वाली प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में आंदोलन की रणनीति बनाकर सड़कों पर उतरने को विवश होगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।